

पतराम अगोहा नाम सिंह कोटह मू०५ ७०/२०१७

२५.९.२०१५: पत्रावली केसा दुर्गा ककील वकी ३५०५५५५५५५५
ककील वकी ककील स्वयं को कट-कट आकाज
लगाई छे नी हाजि नही। वाद वकी अउम-
फैली क अउम हाजि के खानीक सिपा
जाहा है। पत्रावली मखर के अम की जकर
आउ लकीक लकील जाव्हा हाजिल
क कर हो।

०५